Quest Journals
Journal of Research in Humanities and Social Science
Volume 6 ~ Issue 1 (2018) pp.: 71-74
ISSN(Online) : 2321-9467
www.questjournals.org

Research Paper

ICSC एवं CBSE विद्यार्थियों में तनाव का अध्ययन : मूल्यांकन प्रक्रिया की

डॉ0 पदम श्री

शिक्षक शिक्षा विभाग , वर्धमान कॉलेज, बिजनौर, उत्तर प्रदेश

सार

वर्तमान शिक्षा पद्धति में मूल्यांकन एवं उसके स्वरूप का महत्वपूर्ण स्थान है। राष्ट्रीय पाठ्यचर्या-2005 की अनुशंसाओं को लागू करने हेतु प्रो. यशपाल जैसे शिक्षाविदों ने कई सलाह दी हैं जिससे विद्यार्थियों में व्याप्त तनाव को कम किया जा सके।

प्रस्तुत शोध में अनुसंधानकर्ता ने विद्यार्थी में मूल्यांकन प्रक्रिया के प्रति अभिवृत्ति तथा परीक्षा के प्रति तनाव के संबंध पर शोध किया है। शोध से निष्कर्ष निकलता है कि सी.जी. बोर्ड के बालकों में तनाव बालिकाओं की अपेक्षा अधिक होता है। सी.जी तथा सी.बी.एस.ई. शालाओं में परीक्षा के प्रति अभिवृत्ति पर सार्थक प्रभाव नहीं देखा गया है। सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन से तनाव का स्तर कुछ कम तो होता है लेकिन विद्यार्थी पूरी तरह से तनाव मुक्त नहीं होते।

प्रस्तावना (Introduction) -

सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन शिक्षा में एक नवीन दृष्टिकोण का परिणाम माना जाता है परंतु प्राचीन काल से ही शिक्षण में मूल्यांकन का अस्तित्व स्पष्ट रूप से दृष्टिगोचर होता है। प्राचीन समय में भी शैक्षिक स्तर का मूल्यांकन विषय के ज्ञान की न्यूनता एवं उच्चता के रूप में किया जाता था। आधुनिक मूल्यांकन पद्धति में विभिन्न विधियों एवं प्रविधियों के प्रयोग पर ध्यान दिया जाने लगा है। आधुनिक मूल्यांकन मात्र शिक्षार्थियों की उपलब्धि को नहीं मापता है अपितु पाठ्यक्रम के विभिन्न उद्देश्यों को व्यापक स्तर पर मापने का प्रयास करता है।

मूल्यांकन प्रक्रिया बच्चे की मानसिक योग्यता एवं अभिवृत्ति का आकलन करती है। कुछ बच्चे जिनकी मानसिक योग्यता उच्च होती है, उच्च अभिवृत्ति वाले होंगे। उनमें भी मूल्यांकन प्रक्रिया के कई पद तनाव अवश्य उत्पन्न करते होंगे। यदि छात्रों की अभिवृत्ति का परीक्षण कर उन्हें विषय-बोध का अवसर दिया जाए तो अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे। बच्चों में परीक्षा के कारण उत्पन्न कुण्ठा, अवसाद या तनाव को कम करने की दिशा में ही केन्द्र सरकार ने सी.बी.एस.ई. पाठ्यक्रम में ग्रेडिंग पद्धति को अपनाकर बच्चों पर पड़ने वाले अनावश्यक तनाव को कम करने की दिशा में नई पहल की है।

शोध के उद्देश्य (Objectives of the Study) – शोध के उद्देश्य निम्नानुसार हैं –

1. ICSC एवं CBSE शालाओं में अध्ययनरत विद्यार्थियों में परीक्षा संबंधी तनावों का अध्ययन करना।
2. शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के छात्र-छात्राओं के परीक्षा संबंधी तनावों का अध्ययन करना।
3. ICSC एवं CBSE शालाओं में अध्ययनरत विद्यार्थियों की मूल्यांकन के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन करना।
4. शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के छात्र-छात्राओं की मूल्यांकन प्रक्रिया के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन करना।
5. परीक्षा संबंधी तनाव एवं मूल्यांकन के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन करना।

परिकल्पनाएँ (Hypotheses) – प्रस्तुत शोध की परिकल्पनाएँ निम्नलिखित हैं –

1. ICSC एवं CBSE शालाओं में अध्ययनरत विद्यार्थियों में परीक्षा संबंधी तनावों में सार्थक अंतर नहीं होगा।
2. ICSC बोर्ड के छात्र-छात्राओं में परीक्षा संबंधी तनाव में कोई सार्थक अन्तर नहीं होगा।
3. CBSE बोर्ड के छात्र-छात्राओं में परीक्षा संबंधी तनाव में कोई सार्थक अन्तर नहीं होगा।
4. ICSC बोर्ड के शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों में मूल्यांकन प्रक्रिया के प्रति अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नहीं होगा।
5. CBSE बोर्ड के शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों में मूल्यांकन प्रक्रिया के प्रति अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नहीं होगा।
6. परीक्षा संबंधी तनाव एवं मूल्यांकन के प्रति अभिवृत्ति में कोई सह-संबंध नहीं होगा।

परिसीमन (Delimitation) – इस अध्ययन को ..... के ICSC एवं CBSE शासकीय/अशासकीय विद्यालय/अनुदान प्राप्त हाई स्कूल में अध्ययनरत कक्षा दसवीं एवं ग्यारहवीं के छात्र-छात्राओं तक सीमित किया गया है।

शोध प्रक्रिया (Research Process)

- **शोध विधि (Research Method) –** प्रस्तुत अध्ययन हेतु सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है।
- **न्यादर्श (Sample) -** शोध हेतु ..... में संचालित ICSC एवं CBSE पाठ्यक्रम वाले 4-4 विद्यालयों (2 शासकीय, 2 अशासकीय) उच्च माध्यमिक शालाओं के 200 विद्यार्थियों (प्रतिशाला 25 विद्यार्थी) का यादृच्छिक विधि द्वारा चयन किया गया।
- **उपकरण (Tools) –** प्रस्तुत शोधकार्य में प्रदत्तों के संकलन के लिए शोधकर्ता द्वारा निम्न उपकरणों का प्रयोग किया गया है –

1. विद्यार्थियों का परीक्षा तनाव मापनी – डॉ. मधु अग्रवाल व सुश्री वर्षा कौशल के द्वारा निर्मित विद्यार्थियों का परीक्षा तनाव मापनी का प्रयोग किया गया है। इस मापनी में परीक्षा के तनाव से संबंधित 38 कथन हैं।
2. मूल्यांकन के अभिवृत्ति पर प्रभाव के परीक्षण हेतु मापनी – इसमें स्वनिर्मित मापनी का प्रयोग किया गया है। इस परीक्षण में कुल 30 कथन हैं।

चर (Variables) - शोध में चर निम्नानुसार हैं -

1. स्वतंत्र चर – मूल्यांकन
2. आश्रित चर – अभिवृत्ति, तनाव
3. सहचर – सी.जी. व सी.बी.एस.ई. विद्यालय एवं छात्र-छात्राएँ

सांख्यिकीय विश्लेषण (Statistical Operations) – प्रस्तुत शोध में सांख्यिकीय विश्लेषण हेतु मध्यमान, मानक विचलन, मध्यमान के अंतर की सार्थकता (t मान) तथा सह संबध की गणना की गयी।

परिकल्पना क्रमांक – 01

"ICSC एवं CBSE शालाओं में अध्ययनरत विद्यार्थियों में परीक्षा संबंधी तनावों में सार्थक अंतर नहीं होगा।"

सारिणी क्रमांक - 01

Board	N	M	SD	SED	df	t	Significance
ICSC	100	20.22	5.44				NS at 0.01 level
CBSE	100	18.13	4.82	0.72	198	1.77	

प्राप्तांकों की गणना के उपरांत दोनों मध्यमानों का सार्थक अंतर 1.77 प्राप्त हुआ है जो .01 सार्थकता स्तर पर सारिणीगत मान 2.59 से कम है। अतः मान असार्थक सिद्ध हुआ तथा परिकल्पना क्रमांक – 01 स्वीकृत होती है। ICSC तथा CBSE शालाओं के विद्यार्थियों के परीक्षा संबंधी तनाव में सार्थक अन्तर नहीं पाया गया।

परिकल्पना क्रमांक – 02

"ICSC बोर्ड के छात्र-छात्राओं में परीक्षा संबंधी तनाव में कोई सार्थक अन्तर नहीं होगा।

सारिणी क्रमांक – 02

Board	Gender	N	M	SD	SED	df	t	Significance
ICSC	Boys	50	21.7	4.79				Significant at 0.01
CBSE	Girls	50	18.4	5.69	1.05	98	2.81	level

प्राप्तांकों की गणना के उपरांत दोनों मध्यमानों का सार्थक अंतर 2.81 प्राप्त हुआ है जो .01 सार्थकता स्तर पर सारिणीगत मान 2.59 से अधिक है। अतः मान सार्थक सिद्ध हो रहा है। अतः सी.जी. बोर्ड के छात्रों में छात्राओं की अपेक्षा अधिक तनाव देखा गया। अतः परिकल्पना क्रमांक – 02 अस्वीकृत होती है।

परिकल्पना क्रमांक – 03

"CBCE बोर्ड के छात्र-छात्राओं में परीक्षा संबंधी तनाव में कोई सार्थक अन्तर नहीं होगा।"

सारिणी क्रमांक – 03

Board	Gender	N	M	SD	SED	df	t	Significance
ICSC	Boys	50	18.86	4.54				Significant at 0.01
CBSE	Girls	50	21.66	5.13	0.97	98	2.88	level

प्राप्तांकों की गणना के उपरांत दोनों मध्यमानों का सार्थक अंतर 2.88 प्राप्त हुआ है जो .01 सार्थकता स्तर पर सारिणीगत मान 2.59 से अधिक है। अतः मान सार्थक सिद्ध हो रहा है। अतः सी.बी.एस.ई. बोर्ड की छात्राओं में छात्रों की अपेक्षा अधिक तनाव देखा गया। परिकल्पना क्रमांक – 03 अस्वीकृत की गयी।

परिकल्पना क्रमांक – 04

ICSC बोर्ड के शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों में मूल्यांकन प्रक्रिया के प्रति अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नहीं होगा।"

सारिणी क्रमांक – 04

Board	Category	N	M	SD	SED	df	t	Significance
ICSC	Govt.	50	19.92	2.73				Not Significant at
CBSE	Private	50	20.38	2.72	0.38	98	1.16	0.01 level

प्राप्तांकों की गणना के उपरांत दोनों मध्यमानों का सार्थक अंतर 1.16 प्राप्त हुआ है जो 0.01 सार्थकता स्तर पर सारिणीगत मान 2.59 से कम है। अतः मान असार्थक है। इसलिए परिकल्पना क्रमांक – 04 स्वीकृत होती है। ICSC बोर्ड के शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों में मूल्यांकन प्रक्रिया के प्रति अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नहीं पाया गया।

परिकल्पना क्रमांक – 05

" CBSE बोर्ड के शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों में मूल्यांकन प्रक्रिया के प्रति अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नहीं होगा।"

सारिणी क्रमांक – 05

Board	Category	N	M	SD	SED	df	t	Significance
ICSC	Govt.	50	19.92	2.4				Not Significant at
CBSE	Private	50	20.82	2.97	0.29	98	1.66	0.01 level

प्राप्तांकों की गणना के उपरांत दोनों मध्यमानों का सार्थक अंतर 1.16 प्राप्त हुआ है जो .01 सार्थकता स्तर पर सारिणीगत मान 2.59 से कम है। अतः मान असार्थक सिद्ध हो रहा है। चूंकि मान असार्थक है इसलिए परिकल्पना क्रमांक – 05 स्वीकृत होती है। CBSE बोर्ड के शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों में मूल्यांकन प्रक्रिया के प्रति अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नहीं पाया गया।

परिकल्पना क्रमांक – 06

"परीक्षा संबंधी तनाव एवं मूल्यांकन के प्रति अभिवृत्ति में कोई सह-संबंध नहीं होगा।"

सारिणी क्रमांक - 06

	No of Student	r	Lavel
Anxiety	200		Negligible Positive
Attitude	200	0.030	

गणना द्वारा प्राप्त r का मान 0.030 प्राप्त हुआ है जो नगण्य धनात्मक सह संबंध है। इसलिए परिकल्पना क्रमांक – 06 स्वीकृत होती है। प्राप्त परिणाम से यह निष्कर्ष निकलता है कि परीक्षा संबंधी तनाव एवं मूल्यांकन के प्रति अभिवृत्ति में कोई सह-सबंध नहीं होता है।

निष्कर्ष (Conclusion) – प्रस्तुत शोध में संकलित आँकड़ों से प्राप्त निष्कर्ष निम्नलिखित हैं -

1. ICSC एवं CBSE शालाओं में अध्ययनरत विद्यार्थियों में परीक्षा संबंधी तनावों में सार्थक अंतर नहीं है।
2. ICSC बोर्ड के छात्रों में तनाव CBSE बोर्ड के छात्रों से अधिक पाया गया।
3. ICSC बोर्ड के छात्रों में छात्राओं की अपेक्षा अधिक तनाव पाया गया।
4. CBSE बोर्ड की छात्राओं में छात्रों की अपेक्षा अधिक तनाव पाया गया।
5. ICSC बोर्ड के शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों में मूल्यांकन प्रक्रिया के प्रति अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नहीं पाया गया।
6. CBSE बोर्ड के शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों में मूल्यांकन प्रक्रिया के प्रति अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नहीं पाया गया।
7. परीक्षा संबंधी तनाव एवं मूल्यांकन के प्रति अभिवृत्ति में कोई सह-संबंध नहीं पाया गया।
8. सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन में तनाव का स्तर कुछ कम होता दिखाई देता है लेकिन छात्र पूरी तरह से तनावमुक्त नहीं होते।

सुझाव (Suggestions)- शोध निष्कर्षों के आधार पर निम्नांकित सुझाव प्रस्तुत है -

1. समस्त विषयों का क्रियात्मक एवं रूचिपूर्ण ढंग से अध्यापन करके विद्यार्थियों का ध्यान विषय की ओर केन्द्रित किया जाये जिससे उनका मूल्यांकन के प्रति तनाव एवं भय को समाप्त किया जा सके।

2. प्रत्येक तीन माह में संभाग, जिला अथवा विकासखंड स्तर पर शिविर लगाकर विषय-विशेषज्ञों के व्याख्यान प्रस्तुत कराये जाने चाहिए जिसमें परीक्षा में उत्तर लिखने की उचित विधि बतलाई जाये।

3. हर समय शिक्षकों द्वारा मूल्यांकन प्रक्रिया के प्रति छात्रों में निर्भीक वातावरण तैयार करने में सहयोग किया जाना चाहिए।

संदर्भ (References)

1. लास्कर, रामाधार (2011) : सतत् एवं समग्र मूल्यांकन पद्धति में परिवर्तन का विद्यार्थियों के व्यक्तित्व एवं शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन।

2. सतत् एवं समग्र मूल्यांकन हेतु दिशा-निर्देश : राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.)

3. वारे, उल्हास (2001) : बिलासपुर नगर की प्राथमिक शालाओं में सतत् मूल्यांकन की सार्थकता का एक सर्वेक्षणात्मक अध्ययन।